सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 174 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 29 जुलाई, 2025
मूल्य ₹ 3/-

महिला चेस वर्ल्ड चैंपियन-2025 : दिव्या ने रचा... 7

दिल और दिमाग के टकराव में दिल की सुनो।
-स्वामी विवेकानंद

उपचुनावों की जीत दिखाती है... 3

विदेश नीति फेल, संकट में भारत... 2

संसद में हंगामा

क्रिकेट मैच पर आफत

» पानी, जल, थल, नभ के रास्ते बंद तो फिर पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच क्यों?

» भारत-पाक मैच पर संसद में सियासी घमासान

» विपक्ष का एलान- मैच नहीं बायकाट चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा के मानसून सत्र में आपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान विपक्ष ने सरकार को तमाम मुददों पर आढ़े हाथों लिया। विपक्ष का आरोप है कि सरकार आपरेशन सिंदूर पर विपक्ष के सवालों के जवाब नहीं दे रही और दूसरी तमाम बाते कर रही है। वहीं चर्चा के दौरान एक ऐसे मुददे ने जन्म ले लिया है जो सरकार के गले की फांस बन गया है और ट्रेंड कर रहा है।

एशिया कप में प्रस्तावित पाकिस्तान के साथ खेला जाने वाले क्रिकेट मैच में सदन के भीतर स्टेडियम से ज्यादा शोर सुनाई दे रहा है। विपक्ष किसी भी कीमत पर पाकिस्तान के साथ भारतीय क्रिकेट टीम का मैच खेलने पर राजी नहीं है। खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते। दुश्मन देश के साथ प्रस्तावित क्रिकेट मैच सियासी महायुद्ध में बदल चुका है। विपक्षी सांसदों के साथ पूर्व क्रिकेटर, समाज सेवी, और पहलगाम हमले में शहीदों के परिजन इस क्रिकेट मैच की आलोचना कर रहे हैं और किसी भी कीमत पर पाकिस्तान के साथ इस क्रिकेट मैच का विरोध कर रहे हैं। एशिया कप 2025 में भारत-पाक मैच के शेड्यूल जारी होते ही हंगामा शुरू हो गया है। सितंबर में होने वाले एशिया कप में 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान के बीच मैच खेला जाना प्रस्तावित है।

“उनकी नावें हमारे जलक्षेत्र में प्रवेश नहीं कर सकतीं और व्यापार पूरी तरह से बंद हो गया है, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष। तो फिर क्रिकेट मैचे कैसे हो सकता है।

असदुद्दीन ओवैसी
एआईएमआईएम प्रमुख

अंतरात्मा क्यों नहीं जाग रही

औवेसी ने कहा कि आपकी अंतरात्मा क्यों नहीं जाग रही है आप किस सूरत से पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेलेंगे? हम उन्हें पानी भी नहीं दे रहे, हमने पाकिस्तान का 80 प्रतिशत पानी रोक दिया है। मेरा जमीर तो गंवारा नहीं करता कि मैं उस मैच को देखूंगा। कांग्रेस सांसद प्रणीति शिंदे ने संसद में कहा कि पहलगाम आतंकी हमले में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के लिए यह गहरा दुख है और यह गुस्सा इस सरकार के प्रति है, जो अब तक पहलगाम हमले के दोषियों को पकड़ने या कोई सुराग देने में विफल रही है। ऑपरेशन सिंदूर मीडिया में सरकार का एक तमाशा मात्र था।

2025

एशिया कप 2025 में भारत-पाक मैच के शेड्यूल जारी होते ही शुरू हो गया हंगामा

“आतंकवाद और बातचीत साथ नहीं हो सकते तो ऐसे में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच कैसे संभव?”

शहीद के पिता ने जताया विरोध

पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए शिवम द्विवेदी के पिता का कहना है कि दोनों देशों के बीच यह मैच नहीं होना चाहिए। इसी के साथ उन्होंने पीएम मोदी से तुरंत इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। संजय द्विवेदी ने कहा है कि जिस देश ने हमारे भारत पर आतंकवादी हमला कराया जो दशकों से हमारे देश में आतंकवादियों को भेजकर निर्दोष नागरिकों की हत्या करवा रहा है उस देश के साथ इस तरह का मुकाबला खेलना बिल्कुल गलत है। उन्होंने कहा है कि मैं भारत सरकार से निवेदन करता हूं कि प्रधानमंत्री तुरंत इस मामले में हस्तक्षेप करें। किसी भी हालत में यह मैच नहीं होना चाहिए। यह हमारा दुश्मन देश है। खेल हमेशा मित्र देश के साथ होता है। दुश्मन देशों के साथ इस तरह की मित्रता दिखाना आतंकवाद की अपनी लड़ाई को कमजोर करना है।

औवेसी ने पूछा सवाल

एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने लोकसभा में केंद्र सरकार का घेराव करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री ने कहा था कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते हैं। आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं हो सकती है। मेरा सवाल है कि आपने व्यापार बंद कर दिया है, पाकिस्तान के विमान हमारे एयरस्पेस में प्रवेश नहीं कर सकते, उनकी नावें हमारे जलक्षेत्र में प्रवेश नहीं कर सकतीं और व्यापार पूरी तरह से बंद हो गया है, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष। तो फिर क्रिकेट मैचे कैसे हो सकता है।

‘उन्होंने सुहाग उजाड़ा, आप मैच खेल रहे हैं’

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने भारत पाक क्रिकेट मैच पर कहा है कि एक तरह हमारी बहनों का सुहाग उजड़ा दूसरी तरफ हम पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेल रहे हैं। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच मैच का आयोजन होना है। इस पर लोकसभा में विपक्ष के सदस्यों ने सरकार से पूछा कि जब दोनों देशों के बीच व्यापार बंद है तो मैच आयोजित करने के लिए कैसे अनुमति दी जा सकती है?

मैच की हरी झंडी किसने दी?

सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान असदुद्दीन ओवैसी के भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच पर दिए बयान का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने हमारी बहनों का सुहाग उजाड़ दिया और अब आप एशिया कप में भारत पाकिस्तान के बीच मैच करवा रहे हैं। हम उन बहनों को क्या जवाब देंगे? प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि हम लोगों ने इससे पहले विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में भारत-पाकिस्तान मैच पर कड़ा विरोध जताया। जनता के दबाव में उस मैच को रद्द करना पड़ा। उन्होंने कहा कि जब ऑपरेशन सिंदूर जैसे अभियान चल रहे हैं और सरकार आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख की बात करती है, जिसमें पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद और बातचीत साथ नहीं हो सकते, तो ऐसे में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच कैसे संभव है?

सपा प्रमुख अखिलेश यादव का केन्द्र सरकार पर तगड़ा प्रहार, कहा-

विदेश नीति फेल, संकट में भारत के साथ कोई देश नहीं खड़ा हुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आंतकी घटनाओं को लेकर सरकार पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि बार-बार आतंकवादी घटनाएं क्यों हो रही हैं? पहलगाम में आतंकी घटना हुई, उसके पहले पुलवामा में जवानों पर हमला हुआ। पहलगाम में हमला करने वाले आतंकवादी कहां गायब हो गए?

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने अपने एक बयान में कहा कि हम ऑपरेशन सिन्दूर में सेना की बहादुरी, साहस और पराक्रम के लिए बधाई देते हैं। फौज को अगर और मौका मिलता तो, हो सकता वे पीओके ले लेते। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की विदेश नीति असफल रही है। भारत का दुनिया के बहुत देशों में सम्मान है, लेकिन जब जरूरत पड़ी तो भारत के साथ कोई खड़ा नहीं हुआ। यह चिंता का विषय है कि कई देश हमारे साथ व्यापार कर रहे हैं, लेकिन जरूरत के समय खड़े क्यों नहीं हुए।

चीन के साथ तो हो रहा है बिजनेस

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि चीन के साथ व्यापार हो रहा है, चीन ने क्या किया, सभी ने देखा। केंद्र सरकार को फैसला लेना चाहिए कि अगले दस साल चीन का कोई समान भारत नहीं आने देंगे। चीन से अमीरों का सब कुछ आ रहा है। किसानों को खाद की जरूरत है, लेकिन खाद के लिए जरूरी चीजें नहीं आ रही है। सपा प्रमुख ने कहा कि यूपी में भाजपा की डबल इंजन की सरकार पूरी तरह से फेल हो गई है। भाजपा सरकार ने बिजली, स्वास्थ्य और, शिक्षा को बर्बाद कर दिया।

ईडी रिमांड में छांगुर बाबा, बढ़ी मुश्किलें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। धर्मांतरण के मास्टरमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छांगुर बाबा को गिरफ्तार करके अदालत में पेश किया, जहां से उसे पांच दिनों की ईडी रिमांड में भेज दिया गया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने छांगुर बाबा को अदालत में पेश किया और पूछताछ के लिए 7 दिन की रिमांड मांगी थी। कोर्ट ने सुनवाई के बाद छांगुर बाबा को 5 दिन की ईडी कस्टडी में भेजा।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छांगुर बाबा पर गैरकानूनी धर्मांतरण, विदेशी धन के उपयोग और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संभावित खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों से संबंधित षड्यंत्र रचने का आरोप है। पिछले दिनों इस मामले में ईडी की लखनऊ शाखा ने पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत बलरामपुर, लखनऊ और मुंबई स्थित छांगुर बाबा और उनके करीबियों के 15 ठिकानों पर छापा मारा था। बलरामपुर जिला प्रशासन ने शनिवार को छांगुर बाबा के भतीजे सबरोज के अवैध ठिकानों को ध्वस्त कर दिया।

घर पर चल चुका है बुल्डोजर

गैडास बुजुर्ग थाना क्षेत्र के रेहरा माफी गांव में सबरोज का घर सरकारी (ग्राम समाज) जमीन पर अवैध रूप से बना था। जिला प्रशासन ने पहले नोटिस दिया था, लेकिन अतिक्रमण नहीं हटाया गया। प्रशासन की टीम ने वहां पहुंचकर बुलडोजर कार्रवाई की। सीओ राघवेंद्र प्रताप ने बताया कि पुलिस की निगरानी में अवैध निर्माण पर बुलडोजर की कार्रवाई की गई। ज्ञात हो कि छांगुर का विरोह देश-विरोधी गतिविधियों में शामिल था और देश भर में अवैध काम कर रहा था। इसमें कई लोग उसके साथ थे।

राजनीतिक फायदे के लिए पत्नी के अपमान पर अखिलेश मौन: बेबी रानी

» डिंपल यादव पर टिप्पणी के मामले में कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्या ने सपा प्रमुख पर किया कटाक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) की सांसद डिंपल यादव पर मौलाना साजिद द्वारा की गई टिप्पणी को लेकर भाजपा ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया है। महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्या ने कहा कि महिला सम्मान पर हुई इस आपत्तिजनक टिप्पणी पर अखिलेश यादव का मौन यह दर्शाता है कि वोट बैंक की राजनीति के लिए सपा किसी भी हद तक जा सकती है।

मंत्री ने कहा कि नई दिल्ली की एक मस्जिद में बैठक के बाद कुछ धार्मिक नेताओं ने डिंपल यादव को 'राजनीतिक हिंदू महिला' कहकर उनके पहनावे पर अभद्र टिप्पणी की। यह केवल एक महिला सांसद का नहीं बल्कि भारतीय नारी की गरिमा और संस्कृति पर सीधा हमला था। मौर्या के मुताबिक, वोट के लालच में महिला अस्मिता से समझौता करना सपा के राजनीतिक चरित्र को उजागर करता है।

सपा में महिला सम्मान का फैसला मौलवी करेंगे?

बेबी रानी मौर्या ने स्पष्ट कहा, हमारी विचारधारा डिंपल यादव से अलग हो सकती है, लेकिन महिलाओं का अपमान भाजपा को कभी स्वीकार नहीं।

अखिलेश यादव का मौन क्या इस सोच की सहमति है कि सपा में महिला सम्मान का फैसला मौलवी करेंगे? क्या यह दर्शाता नहीं कि वे तालिबानी मानसिकता वालों के समर्थन में खड़े हैं, यहां तक कि अपनी पत्नी के अपमान पर भी चुप्पी साध लेते हैं? उन्होंने कहा कि यह मामला केवल डिंपल यादव का नहीं, बल्कि देश की हर बेटी के सम्मान से जुड़ा है। भाजपा महिलाओं के सम्मान को लेकर दृढ़ संकल्पित है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि 'लड़की हूं, लड़ सकती हूं' का नारा देने वाली प्रियंका गांधी वाड्रा भी इस मुद्दे पर चुप हैं, और वोट बैंक की राजनीति के कारण राहुल गांधी की जुबान पर भी ताले लगे हुए हैं।

ऑनलाइन ठगी गिरोह के आठ सदस्य गिरफ्तार

नकली दस्तावेज और एक करोड़ रुपये मूल्य का चेक बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस ने साइबर अपराध पर बड़ी कार्यवाही करते हुए एक सुनियोजित ऑनलाइन ठगी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। थाना ईकोटेक प्रथम पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस की सहायता से एक ऐसे गिरोह के 8 सदस्यों को गिरफ्तार किया है जो लोगों को जल्दी अमीर बनने का सपना दिखाकर उनसे लाखों की ठगी करते थे।

पुलिस ने इनके कब्जे से भारी मात्रा में इलेक्ट्रॉनिक सामान, नकली दस्तावेज और एक करोड़ रुपये मूल्य का चेक बरामद किया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों के नाम विधान डागर, सतीश शाव, कल्पेश राजू भाई, गुरविंदर सिंह, गुरदीप सिंह, कौशिक डागर, गणेश बेरा और तापस धारा हैं। ये सभी आरोपी ग्रेटर नोएडा के विभिन्न क्षेत्रों में किराए पर रहकर ठगी का जाल चला रहे थे।

क्यूनेट के नाम पर धोखा

पुलिस के अनुसार, यह गिरोह क्यूनेट और विहान नामक एक ऑनलाइन कंपनी के नाम पर लोगों को झांसा देता था। आरोपी सोशल मीडिया और वीडियो कॉलिंग प्लेटफॉर्म जैसे गूगल मीट के जरिए लोगों से संपर्क करते थे। उन्हें सोना, हीरा, घड़ी जैसे महंगे उत्पाद खरीदने और बेचने के एवज में मोटा मुनाफा देने का लालच दिया जाता था। 1.5 लाख रुपये देकर कंपनी से जुड़ने की शर्त रखी जाती थी और भुगतान डॉलर या बिटकॉइन में करने को कहा जाता था। एक बार कोई व्यक्ति इस नेटवर्क से जुड़ जाता, तो उसे और निवेश करने को कहा जाता और लोन दिलाने का झांसा दिया जाता। धीरे-धीरे वह व्यक्ति जाल में फंसकर भारी नुकसान उठा बैठता। यह गिरोह खासतौर पर आर्थिक रूप से महत्वाकांक्षी युवाओं को अपना निशाना बनाता था।

इलेक्ट्रानिक समान बरामद

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10 लैपटॉप, 13 मोबाइल फोन, 5 टैबलेट, 30 एटीएम कार्ड, एक करोड़ रुपये मूल्य का चेक, 4 महंगी घड़ियां और एक स्विफ्ट कार जब्त की है। इस प्रकरण में थाना ईकोटेक प्रथम में मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके अतिरिक्त, क्यूनेट और विहान के खिलाफ दिल्ली ईओडब्लू सहित राजस्थान और मेघालय में भी मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस अब इस गिरोह के नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है ताकि इनके बाकी साथियों और इस फर्जी नेटवर्क से जुड़े लोगों की भी पहचान की जा सके।

भाजपा ने प्रशांत किशोर के खिलाफ दर्ज कराई प्राथमिकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» कार्यसमिति सदस्य ने छवि धूमिल करने का लगाया आरोप

पटना। भारतीय जनता पार्टी ने जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर पर प्राथमिकी दर्ज कराई है। प्राथमिकी गांधी मैदान थाना में दर्ज की गई है।

प्राथमिकी दर्ज कराने वाले बिहार भाजपा कार्यसमिति सदस्य कृष्णा कुमार सिंह ने प्रशांत किशोर पर आरोप लगाते हुए कहा कि एक मीडिया कॉन्क्लेव में प्रशांत किशोर ने कहा कि भाजपा नेता सम्राट चौधरी सातवीं पास हैं और उनका नाम गलत है। इसके साथ ही प्रशांत किशोर ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल की छवि को भी धूमिल करने का प्रयास किया है। कृष्णा कुमार सिंह ने पुलिस से दोनों मामलों में प्रशांत किशोर के बयान को जांच कर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

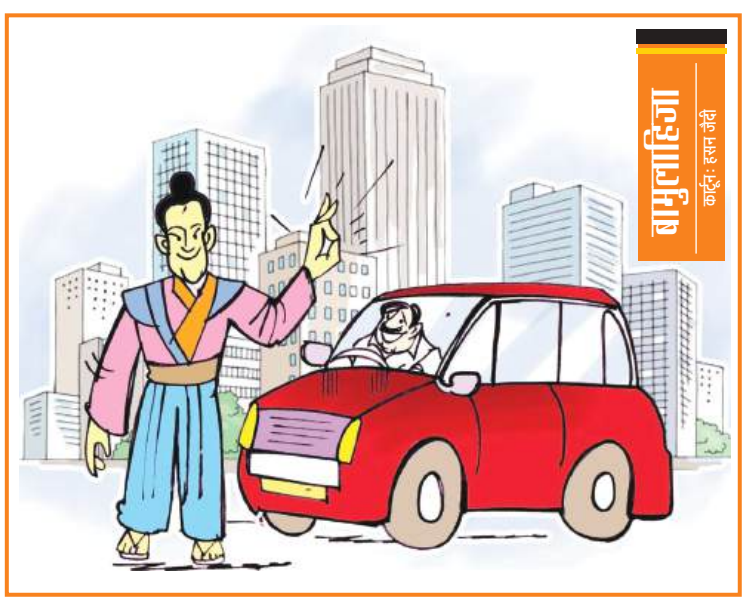

उपचुनावों की जीत दिखाती है नेताओं को राह

हाल में चार राज्यों के 5 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव

» भाजपा को मिला झटका आप व कांग्रेस की
» बल्ले-बल्ले
मिले परिणामों के सियासी
» मायने
कहीं-कहीं आधे-आधे का मामला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार विधान सभा चुनावों से ठीक पहले देश के चार प्रमुख राज्यों- पंजाब, गुजरात, पश्चिम बंगाल व केरल के 5 सीटों पर हुए उपचुनाव के आए परिणामों में जहां आप व टीएमसी को खुशी मिली है, वहीं कांग्रेस-भाजपा को सुकून के साथ साथ रणनीतिक झटका भी लगा है, लेकिन माकपा को करारी मात मिली है। उपचुनाव परिणाम इस बात की संकेत देते हैं कि जहां आप को उम्मीदों के विपरीत पंजाब और गुजरात में एक-एक सीट पर जबर्दस्त पुनः वापसी जीत मिली है, वहीं केरल में कांग्रेस को एक सीट नई मिलने से वहां उसकी स्थिति मजबूत हुई है।

पश्चिम बंगाल की कालीगंज सीट से तृणमूल कांग्रेस की अलिफा अहमद ने कब्जा किया है। वहीं, बीजेपी के खाते में गुजरात की कडी सीट आई। जहां से पार्टी के उम्मीदवार राजेंद्र कुमार चावड़ा उर्फ राजूभाई जीत गए। हालांकि, सूबाई सत्ता में रहने के बावजूद भाजपा राज्य की दूसरी सीट विसावदर को नहीं हथिया पाई। क्योंकि यहां पर आप के गोपाल इटालिया ने कब्जा किया। इस प्रकार इस उपचुनाव में जहां आप का स्कोर दो रहा, वहीं बीजेपी, कांग्रेस और टीएमसी का स्कोर एक-एक रहा। यह आप के लिए सुकून की बात है, जिसका सियासी ग्राफ दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद तेजी से गिरता जा रहा है।

केरल में कांग्रेस की उम्मीद बढ़ी, सीपीएम को झटका

केरल में कांग्रेस की उम्मीद बढ़ने से सीपीएम को झटका लगा है। यह ठीक है कि कांग्रेस पंजाब और गुजरात के एक-एक सीट पर दूसरे स्थान पर रही, जबकि बीजेपी पश्चिम बंगाल और गुजरात की विसावदर में दूसरे स्थान पर रही। वहीं, केरल में नीलांबुर सीट गंवाने वाली सीपीएम भी दूसरे स्थान पर यानी रनर अप रही। लिहाजा इस उपचुनाव के नतीजों ने जहां कांग्रेस को गुजरात में झटका दिया, वहीं केरल और पंजाब में कुछ उम्मीद लेकर आई है। बता दें कि केरल के नीलांबुर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार आर्यदान शौकत ने सीपीएम के एम स्वराज को लगभग 10,000 वोटों से हराया। यह क्षेत्र उसी वायनाड लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है, जहां से प्रियंका गांधी सांसद हैं। लिहाजा उनके लिए भी यह सुकून की बात है। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने इस उपचुनाव को मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन के नौ साल के शासन के खिलाफ जनादेश के रूप में पेश किया था। चूंकि साल 2026 में केरल में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसलिए यह रिजल्ट सीएम पिनाराई विजयन के लिए खतरे की घंटी की तरह है।

बंगाल में भाजपा की राह कठिन

पश्चिम बंगाल की कालीगंज विधानसभा सीट तृणमूल कांग्रेस के खाते में गई है, जहां पर बीजेपी के आशीष घोष टीएमसी कैंडिडेट अलीफा अहमद से करीब 50 हजार वोटों से हार गए। इस सीट पर कांग्रेस ने मुस्लिम कैंडिडेट कबीलुद्दीन शेख को उतारा था, लेकिन उन्हें 28251 वोट मिले और वह तीसरे पायदान पर रहे। इससे साफ है कि इस चुनाव में भी मुस्लिम वोटरों ने टीएमसी को लिए वोट किया। लिहाजा अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले इस रिजल्ट को वोटिंग पैटर्न का ट्रेलर माना जा रहा है। जानकार बताते हैं कि यदि यह पैटर्न दोहराया गया तो मुस्लिम वोट टीएमसी के खाते में रहेगी और चुनाव में उसका मुख्य मुकाबला बीजेपी से होगा। इसप्रकार से बंगाल में कमजोर हो रही कांग्रेस के लिए यह परिणाम खतरे की घंटी है।

अगले साल होंगे बंगाल, गुजरात, केरल और तमिलनाडु में विस चुनाव

आपको पता होगा कि अगले साल पश्चिम बंगाल, गुजरात, केरल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होंगे। लिहाजा इससे पहले हुए इस उपचुनाव में आम आदमी पार्टी ने राहत की सांस ली है। क्योंकि आप ने पंजाब और गुजरात में पिछले चुनाव में जीती गई दोनों सीटों पर कब्जा बरकरार रखने में कामयाबी पाई है। जबकि उपचुनाव से पहले लुधियाना वेस्ट विधानसभा सीट को विपक्ष ने आप के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी थी। लेकिन कड़े मुकाबले में आप के संजीव अरोड़ा कांग्रेस के भारतभूषण आशु को हराया। हालांकि आप की इस जीत में बीजेपी का योगदान रहा, जिसके उम्मीदवार जीवन गुप्ता को 20323 वोट मिले। जीत के बाद अरविंद केजरीवाल के राज्यसभा में जाने का रास्ता साफ हो गया है, जो दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद से गायब थे। हालांकि उन्होंने घोषणा की है कि वो राज्यसभा नहीं जाएंगे। इसलिए समझा जा रहा है कि दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को वह राज्यसभा भेज सकते हैं। जैसा कि केजरीवाल ने कहा है कि इस बात का अंतिम फैसला पीएसी ही करेगी।

बंगाल में टीएमसी का दबदबा बरकार

पश्चिम बंगाल में टीएमसी को भी एक जीती हुई सीट पुनः मिलने से जहां उसका सियासी दबदबा बरकरार है, वहीं गुजरात में बीजेपी को महज एक सीट पर जीत मिली, जो उसकी जीती हुई सीट है। लेकिन केंद्र व राज्य में भाजपा की सत्ता होने के बावजूद वह यहां की दूसरी सीट आप से झटक नहीं सकी, जिससे उसका कब्जा बरकरार रहा है। इससे साफ है कि गुजरात में कांग्रेस की जगह आप भी भाजपा की मुख्य प्रतिद्वंद्वी बन सकती है। देखा जाए तो केरल के नीलांबुर सीट को छोड़कर अन्य तीन राज्यों में कोई भी पार्टी एक-दूसरे से सीट नहीं छीन सकी है। कहने का तातपर्य यह कि जिसका पहले विधायक था, उसी के प्रत्याशी जीते हैं। गौरतलब है कि इन सभी राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होंगे। पंजाब के लुधियाना वेस्ट से आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार संजीव अरोड़ा ने तमाम समीकरणों को दरकिनार करते हुए 10,637 वोटों से जीत दर्ज की है। वहीं, केरल में कांग्रेस ने लेफ्ट से नीलांबुर सीट छीन ली, जो उसके बढ़ते वर्चस्व का तकाजा है।

गुजरात में आप ने बढ़ाई बीजेपी की टेंशन

गुजरात में बीजेपी ने एक सीट जीती, जबकि दूसरे पर दूसरे स्थान पर यानी रनर अप रही। यहां आप विधायक गोपाल इटालिया की जीत से बीजेपी की टेंशन बढ़ सकती है, क्योंकि वह राज्य में पार्टी के प्रभारी हैं। यह जीत आम आदमी पार्टी के कैडर का हौसला भी बुलंद कर सकती है। इससे साफ है कि गुजरात में नुकसान कांग्रेस को हुआ है, जहां राहुल गांधी नए सिरे से पार्टी को संवारने में जुटे हैं। वहीं इस चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी सिर्फ कडी विधानसभा सीट पर मुकाबले में आए, लेकिन 39452 वोटों के भारी अंतर से हार गए। समझा जाता है कि गुटबाजी और नेतृत्व की कमी से जूझ रही कांग्रेस 2026 के विधानसभा चुनाव में भी बीजेपी को राहत दे सकती है। उल्लेखनीय है कि गुजरात में विसावदर की सीट आप विधायक भूपत भयानी के इस्तीफे से खाली हुई थी, उस पर गोपाल इटालिया ने जीत हासिल की। इस जीत से आप ने साबित कर दिया कि वह गुजरात में कांग्रेस से ज्यादा बेहतर विपक्ष है। गुजरात की विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार गोपाल इटालिया ने बीजेपी के उम्मीदवार किरीट पटेल को बड़े अंतर से हराया। चूंकि 2022 के चुनावों में आप ने यह सीट जीती थी। ऐसे में आप के सामने इस सीट को जहां बचाने की चुनौती थी, तो वहीं दिल्ली हार जाने के बाद प्रतिष्ठा भी दांव पर लगी हुई थी। इससे साफ हो गया कि दिल्ली विधानसभा चुनावों में करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी ने अच्छा कमबैक किया है। खास बात यह है कि आप उम्मीदवार गोपाल इटालिया ने कुछ राउंड को छोड़कर पूरे 21 राउंड की मतगणना में ज्यादातर समय बढ़त बनाए रखी। इटालिया ने बीजेपी के कैंडिडेट किरीट पटेल को 17,581 वोटों से शिकस्त दी। स्पष्ट है कि बीजेपी के गढ़ गुजरात में आप की जीत इसलिए बड़ी है क्योंकि आम आदमी पार्टी में दिल्ली की हार के बाद जबरदस्त निराशा थी वैसे भी उपचुनावों में सत्तारूढ़ दल का पलड़ा भारी माना जाता है, लेकिन आप ने पुख्ता व्यूहरचना से विसावदर में बीजेपी को कमल खिलाने से रोक दिया। जबकि बीजेपी इस सीट पर 2007 से इस सीट पर पुनः जीत के लिए तरस रही है। इस बार के चुनाव में कुल 16 कैंडिडेट मैदान में थे। जिसमें गोपाल इटालिया आप 75,906 वोट पाकर जीत गए, जबकि किरीट पटेल बीजेपी 58325 वोट पाकर दूसरे स्थान पर और नितिन रणपारिया कांग्रेस 5491 वोट पाकर तीसरे स्थान पर रहे।

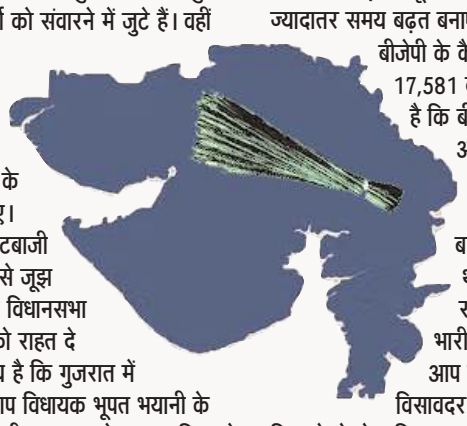

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बरसाती गड्ढों से बचने के हों उपाय

बरसात शुरू होते ही समस्याए भी शुरू हो जाती हैं। पहाड़ों में जहां भूस्खलन की वजह से तबाही मचती है। वहीं शहरों में सड़के जानलेवा हो जाती हैं। कमोवेश यह हाल पूरे भारत में रहता है। हर साल बारिश के मौसम में सड़कों के गड्ढों की समस्या को दूर करने के उपाय हो सकते हैं? आम लोग इस पर समय-समय पर सोशल मीडिया पर विभिन्न प्रतिक्रि याएं देते रहते हैं। सरकारों को इस ओर ध्यान चाहिए। बारिश के मौसम में सड़कों परत बननें वाले गड्ढों की समस्या को दूर करने के कई उपाय बारिश शुरू होने से पहले ही होने चाहिए। इसमें गड्ढों को सीमेंट कंक्रीट से भरना, मौसम खत्म होने के बाद जनप्रतिनिधियों से मिलकर सड़कों के सीमेंटीकरण की मांग करना और सुनवाई न होने पर आंदोलन करना आदि किए जा सकते हैं। हर साल बारिश के मौसम में सड़कों पर गड्ढों की समस्या बहुत ही ज्वलंत समस्या है। हर साल सड़कों का टूटना गड्ढे होना यह सरकारी तंत्र के कार्यों में व्याप्त भ्रष्टाचार ,घटिया सड़क निर्माण सामग्री के उपयोग को दर्शाता है।

यदि सड़कों का निर्माण पूर्ण ईमानदारी के साथ गुणवतापूर्ण सामग्री का उपयोग करते हुए किया जाए जिससे सड़कों में टिकाऊपन बढ़ेगा इसके लिए जनता का जागरूक होना जरूरी है। बारिश से पहले गलियों सड़कों का निरीक्षण करते हुए मौजूद गड्ढों को भरकर उन्हें समतल करना चाहिए, जिससे पानी जमा होने ओर वाहनों को नुकसान से, जनता को दुर्घटना से बचाया जा सके। पानी की निकासी की व्यवस्थाओं को सुचारू करना चाहिए सड़कों के किनारे पेड़ लगने चाहिए जिससे मिट्टी का कटाव कम होता हैं सड़क की सतह को नुकसान से बचाया जा सकता है। नागरिकों को अपने गली, मोहल्ले व अन्य क्षेत्रों में बारिश से पहले या बारिश के दौरान सड़कों में गड्ढों की समस्या दिखाई देने पर इसे समय पर मरम्मत करने के लिए स्थानीय अधिकारियों को सूचना देनी चाहिए जिससे इस समस्या का समय पर समाधान हो सके और सभी नागरिकों को इस बारे मे जागरूक करना चाहिए।हर साल बारिश में सड़कों पर गड्ढों की समस्या से बचाव के लिए बेहतर जल निकासी व्यवस्था, गुणवत्तापूर्ण निर्माण सामग्री का उपयोग और समयबद्ध मरम्मत जरूरी है। ठेकेदारों की जवाबदेही तय की जाए और कार्य पूर्ण होने के बाद नियमित निरीक्षण हो। अमरीकी डामर (बिटुमिनस) या कंक्रीट जैसी टिकाऊ तकनीकों का प्रयोग हो। मानसून पूर्व सर्वेक्षण और तत्परता से मरम्मत कार्य सुनिश्चित कर यह समस्या काफी हद तक नियंत्रित की जा सकती है।

सरकारों को इस ओर ध्यान चाहिए। बारिश के मौसम में सड़कों परत बननें वाले गड्ढों की समस्या को दूर करने के कई उपाय बारिश शुरू होने से पहले ही होने चाहिए। इसमें गड्ढों को सीमेंट कंक्रीट से भरना, मौसम खत्म होने के बाद जनप्रतिनिधियों से मिलकर सड़कों के सीमेंटीकरण की मांग करना और सुनवाई न होने पर आंदोलन करना आदि किए जा सकते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आंतरिक ध्वनि चिकित्सा है गुनगुनाना

रेणु सैनी

क्या आपने काम करते समय कोई गीत या ध्वनि गुनगुनाई है। अवश्य गुनगुनाई होगी। आपको यह पता होना चाहिए कि गुनगुनाना मात्र छोटी-सी बात नहीं है, अपितु इस गुनगुनाहट में बहुत सारे जीवन के सकारात्मक सार छिपे हुए हैं। यह गुनगुनाहट 'आंतरिक ध्वनि चिकित्सा' है जो व्यक्ति के जीवन के टूटे-फूटे तारों की मरम्मत करती है और उनके अंदर एक नई ऊर्जा एवं ध्वनि का संचार करती है। नादब्रह्म, ध्यान में गुंजार ऊर्जा का असीम स्रोत है। इस संदर्भ में ओशो कहते हैं कि, 'हां, यह ऊर्जा का एक बड़ा स्रोत है। हम अपने जीवन के स्रोतों को नहीं जानते और यह नहीं जानते कि उन स्रोतों से कैसे जुड़ें?' शोध बताते हैं कि 'भंवरे की तरह गुनगुनाना यानी कि हमिंग करने से न केवल तनाव कम होता है, अपितु इससे मूड भी सकारात्मक होता है।

शरीर के अंदर से विषैले तत्व बाहर निकलते हैं और पेट संबंधी समस्याएं भी दूर होती हैं। स्वीडिश वैज्ञानिकों ने भी अपने एक शोध में यह पाया कि 'गुनगुनाने से मस्तिष्क में ऑक्सीजन की मात्रा में सुधार होता है।' जब हमारा तन किसी ध्वनि को मन से गुनगुनाता है तो तन-मन का कंपन एक तालमेल में आ जाता है और उनका संघर्ष खत्म हो जाता है। इस संघर्ष के खत्म होने से ऊर्जा का ह्रास होने से बच जाता है। मन को शांति का अहसास होता है। गुनगुनाना हमारे मस्तिष्क की वेगस तंत्रिका को उत्तेजित करता है, जो पैरासिम्पेथेटिक सिस्टम से जुड़ी हुई होती है। इससे तनाव कम होता है और मानसिक स्पष्टता बढ़ जाती है। इससे सेरोटोनिन और डोपामाइन जैसे लाभकारी न्यूरो हार्मोंस का रिसाव बढ़ता है। ये दोनों ही हॉर्मोन खुशी उत्पन्न करने वाले माने जाते हैं। इनकी उत्पत्ति से व्यक्ति को खुशी एवं सुख का अनुभव होता है। गुनगुनाना संगीत का ही एक भाग है। भारतीय संगीत और इसके रागों में रोगों को दूर करने की अद्भुत शक्ति होती है। प्राचीन काल में राजा-महाराजा जब युद्ध से लौट कर आते थे तो वे तन-मन से शिथिल और क्लान्त रहते थे। ऐसे में वे संगीतकारों को राजदरबार में बुलाकर उनसे राग सुना करते थे। कई बार तो वे गायक के साथ-साथ गुनगुनाते भी थे।

इस गुनगुनाहट से उनकी थकान, चिंता सब गायब हो जाती थी तो और वे फिर से तरोताजा हो जाते थे। अपने अंदर ऊर्जा एवं स्फूर्ति का संचार कर वे राजकाज संभालते थे और गुनगुनाते हुए प्रजा के दुख दूर करते थे। अकबर के दरबार के नवरत्नों में से एक तानसेन को संगीत में

उच्च कोटि की सिद्धि प्राप्त थी। यह भी किंवदंती सुनने को मिलती है कि जब वे राग दीपक गाते थे तो उसकी गर्मी से दीपक स्वयं जल उठते थे। इसी तरह मेघ मल्हार गाने से झमाझम बारिश होने लगती थी। इससे ही यह स्पष्ट हो जाता है कि संगीत और गुनगुनाहट में असीम शक्ति है। इस शक्ति से मनुष्य तो क्या पृथ्वी और प्रकृति तक झूमने लगते हैं। मनोचिकित्सक मानते हैं कि रागों में व्यक्ति के तन-मन के रोगों को दूर की जादुई शक्ति छिपी है। संगीत और गुनगुनाहट को चिकित्सा प्रणाली में शामिल कर रोगियों को ठीक किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि तोड़ी, भूपाली, अहीर भैरव राग सर्दी-जुकाम, सिरदर्द और उच्च रक्तचाप से राहत देते हैं। शिवरंजनी राग सुनने से याददाश्त तेज होती है और स्मृति लोप की समस्या दूर होती है। राग भैरवी सर्दी, कफ और दांत दर्द से राहत देता है। चंद्रकौंस राग हृदय रोग और मधुमेह के लिए उपचारदायक है। राग दरबारी तनाव दूर करता है। राग बिहाग और बहार गहरी मधुर नींद के लिए लाभदायक है। जब बच्चा छोटा होता है तो मां बच्चे को लोरी गाकर सुनाती है। लोरी गाते-गाते वह कई बार गुनगुनाती भी है। यह गुनगुनाना न केवल मां-बच्चे को मानसिक शांति प्रदान करता है, अपितु उनके आपसी बंधन को भी मजबूत करता है। गायकों का मानना था कि गुनगुनाहट न केवल उनके संगीत को प्रबल करती है, अपितु उनके मानसिक तनाव को भी दूर करती है। सुप्रसिद्ध गायिका लता मंगेशकर ने एक साक्षात्कार में कहा था कि, 'मैं सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक मन ही मन कोई न कोई रचना गुनगुनाती रहती हूं। कभी किसी धुन को ठीक कर रही होती हूं, तो कभी किसी भाव को भीतर महसूस कर रही होती हूं।

यह गुनगुनाना ही है जो मेरी आत्मा को स्थिर रखता है।' गुनगुनाने से एकाग्रता और रचनात्मकता का विकास होता है। इसलिए कई बार वैज्ञानिक, डॉक्टर, विद्यार्थी पढ़ते हुए गुनगुनाते हैं। गुनगुनाने से व्यक्ति स्वयं के साथ जुड़ जाता है क्योंकि उस समय उसका पूरा ध्यान गुनगुनाने की ध्वनि पर होता है। योग में भ्रामरी प्राणायम का विशेष महत्व है क्योंकि इसमें ध्वनि और हम्मिंग यानी कि गुनगुनाने का विशेष महत्व है। यह ध्वनि और कंपन शरीर व मस्तिष्क पर गहरा प्रभाव डालते हैं। ध्वनि कंपन से पीनियल ग्रंथि और हाइपोथैलेमस को शांति मिलती है। गुनगुनाने से व्यक्ति के स्वर तंत्रों को भी मजबूती मिलती है। इस प्रकार गुनगुनाना और राग सुनना अत्यंत लाभदायक औषधियां हैं।

संघर्ष की डगर पर डर और शर्म की टूटती बाधाएं

ज्योति मल्होत्रा

इस महीने चार दृश्य ऐसे रहे जो भारत में महिला और फीमेल सेक्सुएलिटी की दशा को परिभाषित करते हैं। पहला, ओडिशा के बालासोर में एक युवा कॉलेज छात्रा ने आत्महत्या कर ली, वह अपने प्रोफेसर द्वारा 'संबंध' बनाने के दबावों का विरोध कर रही थी। दूसरा, वायरल हुई एक वीडियो में एक ट्रक पर भगवा लहंगा-चोली पहनकर नाचती दो महिलाओं द्वारा कांवड़ियों का मनोरंजन करने वाला दृश्य, जो बॉलीवुड की वास्तविक जीवन में नकल का बिल्कुल सही उदाहरण है। तीसरी, सेंसर बोर्ड द्वारा सुपरमैन और उसकी प्रेमिका लोइस लेन के बीच 33 सेकंड लंबे चुंबन दृश्य को काट देना, क्योंकि उसे लगता है कि यह भारतीय दर्शकों के लिहाज से 'अत्यधिक कामुक' है। और चौथा दृश्य रहा, हरियाणा भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद सुभाष बराला के बेटे विकास को सहायक महाधिवक्ता नियुक्त किया जाना, इस तथ्य के बावजूद कि उस पर 2017 में, चंडीगढ़ में, एक युवती वर्णिका कुंडू का पीछा करने और अपहरण के प्रयास का आरोप है। तब वह पांच महीने जेल में भी रहा था।

यह आपराधिक मामला है। आठ साल हो गए, लेकिन मुकदमा अभी भी चला ही जा रहा। शायद चंडीगढ़ में न्याय का पहिया बहुत धीरे घूमता है। शायद हरियाणा के बारे में कुछ है। साथ ही, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और देश के बाकी हिस्सों में भी, जहां महिलाओं के खिलाफ यौन अपराध हर साल बढ़ रहे हैं। हम में से जिनकी याद्दाश्त ठीक है, उन्हें दिसंबर 2012 में दिल्ली में एक लड़की के साथ हुआ सामूहिक बलात्कार याद होगा, जिसे हम निर्भया के नाम से जानते हैं – हालांकि असली नाम कुछ और था – एक ऐसी लड़की जो आलोक और साहस दोनों से परिपूर्ण थी – यह घटना उस लड़ाई में महत्वपूर्ण मोड़ रही, जो भारत की बेटियां दशकों से समानता के लिए लड़ती आई हैं। प्रधानमंत्री मोदी को उस समय भान था कि दिल्ली गैंगरेप कांड कांग्रेस को 2014 के आम चुनाव में देशभर में और फिर अगले साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में मिली हार का बड़ा कारण रहा।

तभी मोदी ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ का ऐसा नारा दिया, जो पूरे देश में गूंज उठा। उन्होंने महिलाओं को सरकारी योजनाओं के पहले लाभार्थियों के रूप में, सबसे आगे रखा, उन्हें एक वोट बैंक और यहां तक कि कोटा में तब्दील कर दिया – भविष्य में किसी समय 33 प्रतिशत महिला सांसद चुने जाने की उम्मीद है, हालांकि यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं कि कब। फिर भी, यह एक प्रण है और कोई भी इससे पीछे नहीं हट सकता। प्रधानमंत्री के रूप में मोदी के तीसरे कार्यकाल में, महिलाओं की लड़ाई अभी भी हर दिन जारी है। साल 2012 में, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार उस साल 25000 बलात्कार के मामले दर्ज हुए थे। वहीं 2016 में 36000 संख्या के साथ मामले चरम पर थे। साल 2022 में, जिस बार के आंकड़े अंतिम बार उपलब्ध हैं, बलात्कार के 31000 केस दर्ज थे। 2018 में, वर्णिका कुंडू द्वारा चंडीगढ़ के एक थाने में विकास बराला के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाने के एक साल बाद, हर 15 मिनट में एक बलात्कार की रिपोर्ट दर्ज हुई। आंकड़ों में राजनेताओं द्वारा खुद को दोष-मुक्त रखना भी अंतर्निहित है। यौन उत्पीड़न या यौन उत्पीड़न के प्रयास के आरोपियों की सूची में विकास बराला का नाम नवीनतम है।

अब तक की इस सूची में पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह, कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी, फिलहाल निलंबित पूर्व जनता दल-एस सांसद प्रज्वल रेवन्ना, पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सेंगर व कई अन्य नाम शामिल हैं। जिस एक कारण से शायद राजनेताओं को लगता है कि वे बच निकलेंगे, वह है कार्यस्थल पर महिला यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम का पंजीकृत राजनीतिक दलों पर लागू नहीं होना – बीते शुक्रवार ही सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें कहा गया कि इनपर भी यह कानून समान रूप से लागू होना चाहिए और फिर, सामाजिक परिदृश्य में 2012 के दिल्ली गैंगरेप कांड के बाद, काम अभी भी अधूरा है – इस माह की शुरुआत में बालासोर में छात्रा की आत्महत्या से हुई बेहद दुखद मौत, जब वह अपने प्रिंसिपल को कथित छेड़छाड़ से निजात दिलाने की गुहार लगाती रही – लेकिन उसने कुछ नहीं किया। वर्णिका की कहानी को संक्षेप में बताएं तो, अगस्त 2017 की एक रात वह घर लौट रही थी और उसने पाया कि एक कार, जिसमें दो व्यक्ति विकास बराला और उसका दोस्त आशीष सवार थे, उसका पीछा कर उसको पकड़कर गाड़ी में डालने की कोशिश की। तब उसने उनके खिलाफ नजदीकी पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया था। अगले महीने यानी अगस्त की शुरुआत में आठ साल पूरे हो जाएंगे। अब तक 102 सुनवाइयां हो चुकी हैं। मामला अभी किसी नतीजे पर पहुंचने के करीब नहीं लगता, लेकिन जिस तरह से सरकार ने आरोपी को एक प्रतिष्ठित पद पर नियुक्त किया है, उससे किसी को भी हैरानी होगी कि क्या न्याय वाकई अंधा है!

इसलिए जब वर्णिका, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट जैसी महिलाएं लंबी लड़ाई के लिए तैयार हैं, तो असल में वे डर-झिझक की बाधाओं को तोड़ रही हैं। उन्हें अच्छी तरह मालूम है कि यह लड़ाई लंबी खिंचेगी। लेकिन उनके आत्मविश्वास का मंत्र यह है कि 'लोग क्या कहेंगे', अब बीते कल की बात है – यूं भी, कुछ न कुछ तो लोग कहेंगे – अपनी सरलता लिए यह साहस बहुत अद्भुत है। जहां तक सेंसर बोर्ड द्वारा सुपरमैन के चुंबन दृश्य को काटने की बात है, तो शायद बोर्ड के सदस्यों को पूर्ण सरकारी खर्च पर खजुराहो या कोणार्क मंदिरों की यात्रा पर भेजा जाना चाहिए – दोनों ही भाजपा शासित राज्यों में स्थित हैं – ताकि वे खुद देख सकें कि हमारे प्राचीन हिंदू राजा-रानियों का जीवन के इस जीवंत पहलू के बारे में बर्ताव कैसा था।

कब से हुई सेलिब्रेट करने की शुरूआत

पराग्वे में 20 जुलाई 1958 को डॉक्टर रमन आर्टिमियो ने एक डिनर पार्टी के दौरान अपने दोस्तों के साथ फ्रेंडशिप डे मनाने का आईडिया दिया। पराग्वे में हुई इस घटना के बाद विश्व में फ्रेंडशिप डे मनाने की परंपरा का जन्म हुआ। पैराग्वे में इस दिन को काफी धूमधाम से मनाया जाता है।

कैसे मनाते हैं फ्रेंडशिप

यह दिन हर साल दोस्तों के साथ उपहारों के आदान-प्रदान और एक दूसरे के साथ आउटिंग की योजना के साथ मनाया जाता है। भारत में, लोग एक दूसरे को रंगीन दोस्ती के बैंड और फूल देकर इस दिन को मनाते हैं।

हर देश में अलग-अलग है तारीख

हालांकि, कई देश इस दिन को संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित तारीख से पहले या फिर बाद में मनाते हैं। भारत और बांग्लादेश सहित कई अन्य देशों में फ्रेंडशिप डे अगस्त के पहले रविवार को मनाते हैं. ओहियो में, फ्रेंडशिप डे 9 अप्रैल को मनाया जाता है, जबकि नेपाल में यह 30 जुलाई को मनाया जाता है। इस साल भारत में फ्रेंडिशिप डे 3 अगस्त 2025 को मनाया जाएगा। अपने दोस्तों के लिए यह दिन खास बनाने के लिए लोग कई तरह से तैयारी करते हैं। एक-दूसरे को फ्रेंडशिप डे विश करते हैं और बधाई संदेश भेजते हैं।

दोस्ती
दुनिया का सबसे खूबसूरत तोहफा

दोस्ती दुनिया का सबसे खूबसूरत अहसास है। दोस्त ही दुनिया का सबसे खूबसूरत तोहफा है जो हमारी जिंदगी को खुशनुमा बनाएं रखने के साथ ही हमारे दुख और दर्द का साथी भी होते है। मां-बाप के बाद अगर कोई अपना लगता है तो वो है दोस्त। दोस्ती को यादगार बनाने के लिए इंटरनेशनल फ्रेंडशिप डे मनाया जाता है। पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय फ्रेंडशिप डे हर साल 30 जुलाई को मनाया जाता है। पूरे विश्व में दोस्ती और दोस्तों के महत्व को चिह्नित करने के लिए ये दिन मनाया जाता है। इस दिन को फ्रेंडशिप डे के रूप में भी जाना जाता है। इस दिन को पहली बार 1958 में मनाया गया था। 27 अप्रैल 2011 को संयुक्त राष्ट्र संघ की आम सभा ने 30 जुलाई को आधिकारिक तौर पर इस दिन को इंटरनेशनल फ्रेंडशिप डे घोषित किया था।

अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस का इतिहास

इंटरनेशनल फ्रेंडशिप डे सबसे पहले 1958 में पैराग्वे में मनाया गया था। लेकिन इस यादगार दिन की शुरुआत हॉलमार्क कार्ड्स के संस्थापक - जॉयस हॉल ने 1930 में की थी। उन्होंने दोस्तों के लिए एक स्पेशल डे के तौर पर सेलिब्रेट करने के लिए इंटरनेशनल फ्रेंडशिप डे का विचार प्रस्तावित किया था जब लोग अपनी दोस्ती का जश्न मना सकते हैं और रिश्ते का सम्मान कर सकते हैं। बाद में, विनी द पूह को वर्ष 1988 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा फ्रेंडशिप का एंबेसडर बनाया गया था। 2011 में आयोजित 65वें संयुक्त राष्ट्र सत्र में आधिकारिक तौर पर 30 जुलाई को इंटरनेशनल फ्रेंडशिप डे के लिए तय किया गया।

हंसना मना है

परसों घरवाली ने कहा - मुझे 2,000 रुपये दे दो वापस कर दूंगी...! मैंने पर्स निकाला और पैसे देने लगा तो बोली - अच्छा चलो 1,000 दे दो केवल 1,000 बाद में ले लुंगी...! आज सुबह बोली - मुझे तुमसे 1,000 लेने हैं.... मैंने पर्स निकाला और 1,000 देने लगा तो फिर बोली - रहने दो मुझे आपको 1,000 देने भी तो हैं, चलो बराबर हो गए...!

पप्पू - जो डर गया, वो मर गया कहावत कैसे बनी? गप्पू - मुझे नहीं पता। तू बता। पप्पू - जापान में दो भाई रहते थे, एक का नाम जो था और दूसरे का नाम वो। एक रात जो को बाथरूम में भूत दिखा। जो डर गया और उसने वो को आवाज लगाई। वो दौड़ते हुए बाथरूम में आया और भूत को देखते ही उसका हार्ट फेल हो गया और वो मर गया। बस तभी से ये कहावत बन गई कि जो डर गया, वो मर गया!!!

पति- शादी से पहले तुम बहुत उपवास रखती थी अब क्या हो गया... पत्नी- बहुत नहीं, सिर्फ 16 सोमवार रखती थी... पति- फिर अब क्या हुआ... पत्नी- फिर तुमसे शादी हो गई और मेरा उपवास से भरोसा ही उठ गया...

कहानी | रेत से चीनी अलग करना

बादशाह अकबर के दरबार में सभा की कार्यवाही चल रही थी। एक-एक करके राज्य के लोग अपनी समस्याएं लेकर दरबार में आ रहे थे। इसी बीच वहां एक व्यक्ति दरबार में पहुंचा। उसके हाथ में एक मर्तबान था। सभी उस मर्तबान की ओर देख रहे थे, तभी अकबर ने उस व्यक्ति से पूछा- 'क्या है इस मर्तबान में?' उसने कहा कि महाराज इसमें चीनी और रेत का मिश्रण है।' अकबर ने फिर पूछा 'किसलिए?' अब दरबारी ने कहा- 'गलती माफ हो महाराज, लेकिन मैंने बीरबल की बुद्धिमत्ता के कई किस्से सुने हैं। मैं उनकी परीक्षा लेना चाहता हूं। मैं यह चाहता हूं कि बीरबल इस रेत में से बिना पानी का इस्तेमाल किए, चीनी का एक-एक दाना अलग कर दें।' अकबर ने बीरबल की ओर देखा और कहा कि देख लो बीरबल, अब तुम कैसे इस व्यक्ति के सामने अपनी बुद्धिमानी का परिचय दोगे।' बीरबल ने मुस्कुराते हुए कहा कि महाराज हो जाएगा, यह तो मेरे बाएं हाथ का काम है।' अब सभी लोग हैरान थे, तभी बीरबल उठे और उस मर्तबान को लेकर महल में मौजूद बगीचे की ओर बढ़ चले। उनके पीछे वह व्यक्ति भी था। अब बीरबल बगीचे में एक आम के पेड़ के नीचे पहुंचे। अब वह मर्तबान में मौजूद रेत और चीनी के मिश्रण को एक आम के पेड़ के चारों तरफ फैलाने लगे। तभी उस व्यक्ति ने पूछा कि अरे यह क्या कर रहे हो?' इस पर बीरबल ने कहा, 'ये आपको कल पता चलेगा।' इसके बाद दोनों महल में वापस आ गए। अब सभी को कल सुबह का इंतजार था। अगली सुबह अकबर और सारे मंत्री एक साथ बगीचे में पहुंचे। सभी ने देखा कि अब वहां सिर्फ रेत पड़ी हुई है। दरअसल, रेत में मौजूद चीनी को चीटियों ने निकालकर अपने बिल में इकट्ठा कर लिया था और बची-खुची चीनी को कुछ चीटियां उठाकर अपने बिल में ले जा रही थीं। इस पर उस व्यक्ति ने पूछा कि चीनी कहां गई?' तो बीरबल ने कहा कि रेत से चीनी अलग हो गई है।' सभी जोर-जोर से हंसने लगे। बीरबल की यह चतुराई देख अकबर ने उस व्यक्ति से कहा, 'अगर अब तुम्हें चीनी चाहिए, तो तुम्हें चीटियों के बिल में घुसना पड़ेगा।' इस पर सभी ने फिर से ठहाका लगाया और बीरबल की तारीफ करने लगे।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

दूर यात्रा की योजना बन सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद प्राप्त होगा। वरिष्ठजनों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

वृषभ

जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रतिद्वंद्विता बढ़ेगी। पारिवारिक चिंता में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी के व्यवहार से क्लेश हो सकता है। पुराना रोग उभर सकता है।

मिथुन

प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आय के स्रोतों में वृद्धि हो सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। चोट व रोग से बाधा संभव है। फालतू खर्च होगा।

कर्क

भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार के साथ मनोरंजन का कार्यक्रम बन सकता है। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रमाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें।

सिंह

घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ी समस्या से छुटकारा मिल सकता है। आय में वृद्धि होगी।

कन्या

घर-बाहर असहयोग मिलेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। आय में कमी हो सकती है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है।

तुला

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृश्चिक

पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। कारोबारी अनुबंधों में वृद्धि हो सकती है। समय का लाभ लें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी।

धनु

लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुख के साधनों पर व्यय हो सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। प्रमाद न करें। बेचैनी रहेगी।

मकर

राज्य के प्रतिनिधि सहयोग करेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद से क्लेश संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

कुम्भ

कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। मातहतों से संबंध सुधरेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मीन

भूमि-भवन, खरीदने की योजना बनेगी। अचानक व्यवसाय या रोजगार में अधिक वृद्धि होगी। उन्नति के मार्ग भी प्रशस्त होंगे। कार्यस्थल पर अतिविश्वास करने से बचें।

बॉलीवुड | एलान

'द शिफ्ट' की 90 प्रभावशाली महिलाओं में दीपिका पादुकोण

वैश्विक सांस्कृतिक प्रकाशन द शिफ्ट ने सक्रियता, रचनात्मकता, नेतृत्व और सांस्कृतिक प्रभाव वाली 90 से ज्यादा असाधारण महिलाओं की अपनी नवीनतम सूची जारी की है। इन महिलाओं में अमल क्लूनी, मारिस्का हरजीत, सेलेना गोमेज़, बिली इलिश, एंजेलिना जोली, अमांडा गोर्मन, जेसिका चैस्टेन, ओलिविया रोड्रिगो, लूसी लियू, मिस्टी कोपलैंड, बिली जीन किंग।।। और भारतीय सुपरस्टार दीपिका पादुकोण शामिल हैं। एक वैश्विक आइकन, दीपिका की यह पहचान न केवल उनके सिनेमाई प्रभाव को दर्शाती है, बल्कि उनके लिव लव लाफ फाउंडेशन के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य वकालत और महिला सशक्तिकरण में उनके काम को भी दर्शाती है। दीपिका (39) के अलावा, इस सूची में गायिका-अभिनेत्री सेलेना गोमज, हॉलीवुड अभिनेत्री एंजेलिना जोली, गायिका बिली इलिश और ओलिविया रोड्रिगो जैसी अन्य लोकप्रिय हस्तियों के नाम भी शामिल हैं। दीपिका ने रविवार दोपहर अपने 'इंस्टाग्राम' हैंडल पर एक पोस्ट के जरिए यह खबर साझा की और लिखा, ''ग्लोरिया स्टीनम और उनके 91 साल के सामाजिक योगदान के सम्मान में, 'द शिफ्ट' हमारे भविष्य को आकार देने वाली 90 आवाजों का सम्मान कर रहा है। इस सम्मान के लिए मैं उनकी आभारी हूं।'' अभिनेत्री पिछले कुछ वर्षों से मानसिक स्वास्थ्य की जागरूकता के लिए काम कर रही हैं। वह 'लाइव लव लाफ फाउंडेशन ऑर्गनाइजेशन' की संस्थापक हैं, जिसका उद्देश्य लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के बारे में शिक्षित करना है। ग्लोरिया स्टाइनम के 91 वर्षों के योगदान का जश्न मनाने वाले इस उद्घाटन अंक के एक हिस्से के रूप में, द शिफ्ट 90 प्लस वन संस्करण में दीपिका के शब्दों को उद्धृत किया गया है, मेरे लिए सफलता केवल पेशेवर उपलब्धियों के बारे में नहीं है, बल्कि कल्याण के बारे में भी है—जहाँ मानसिक स्वास्थ्य और आत्म-देखभाल अनुशासन, समर्पण और दृढ़ संकल्प के समान ही महत्वपूर्ण हैं।

बॉर्डर 2 में हुई मेधा पूरी की एंट्री, वरुण धवन की पत्नी का निभाएंगी किरदार

बॉर्डर 2 का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, सनी देओल, दिलजीत दोसांझ, वरुण धवन और अहान शेट्टी इस फिल्म की कास्टिंग में पहले ही फाइनल हो चुके हैं। जिसके बाद दर्शकों की इस बात पर थी कि हीरोइन कब फाइनल होगी। लेकिन अब इंतजार खत्म हो चुका है और मेकर्स ने फिल्म में एक नए टैलेंट का स्वागत किया है। फिल्म में वरुण धवन के साथ काम करने के लिए मेधा पूरी तरह तैयार हैं। यह उनका बड़े पर्दे पर डेब्यू है, जो उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

बॉर्डर 2 का निर्देशन अनुराग सिंह ने किया है और यह 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। मेधा एक सैन्य परिवार से आती हैं और उन्हें फिल्म में मुख्य भूमिका में लिया गया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर फिल्म में उनकी एंट्री का अनाउंसमेंट करते हुए लिखा- हर कहानी को अपने किरदार मिलते हैं। हमें बॉर्डर2 परिवार में वरुण धवन के साथ लीड रोल में मेधा राणा का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। साहस और देशभक्ति की एक यादगार गाथा के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि बॉर्डर 2, 23 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक दे रही है। मेधा को चुनने के बारे में बात करते हुए, निर्माता भूषण कुमार कहते हैं, हमारे लिए किसी ऐसे व्यक्ति को ढूंढना बेहद जरूरी था जो स्वाभाविक रूप से उस क्षेत्र की भाषा और इमोशन को अपना सके। मेधा ने न केवल अपने टैलेंट से रीजनल लैंग्वेज पर अपनी पकड़ और एक एक्ट्रेस के रूप में अपने टैलेंट से टीम को इंप्रेस किया है। हमें पूरा विश्वास है कि उन्हें इस भूमिका में दर्शक पसंद करेंगे।

मेधा बेंगलुरु की रहने वाली हैं लेकिन वे गुड़गांव में पली-बढ़ी हैं। उन्होंने 16 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरु कर दी थी। उनका सपना एक्ट्रेस बनने का था। 2014 में, उन्होंने मार्केटिंग इंटर्न के रूप में काम किया और 2017 में उन्होंने पढ़ाना शुरू किया, लेकिन आखिरकार उन्हें वूट के लंदन फाइल्स में काम करने का मौका मिला, जिसने उनके लिए इंडस्ट्री के दरवाजे खोल दिए।

अब ओटीटी पर भी अपना जलवा बिखेरेंगी अनीत पड्डा

फिल्म सैयारा की जबरदस्त सफलता के बाद एक्ट्रेस अनीत पड्डा आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अपनी डेब्यू फिल्म सैयारा में बहुत उम्दा एक्टिंग से सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इस बीच अनीत पड्डा को लेकर एक नई रिपोर्ट सामने आई है, जिसमें बताया गया है कि बड़े पर्दे पर धमाल मचाने के बाद अब एक्ट्रेस हक़्क़ पर भी अपना जलवा दिखाने वाली हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अनीत पड्डा के साथ फ़ातिमा सना शेख रियल स्टोरी पर बेस्ड सीरीज न्याय में नजर आएंगी। पिछले साल फिल्माया गया यह शो जल्द ही एक प्रमुख ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज़ होने वाला है। लेकिन सभी के मन में ये सवाल आ रहा है कि पहली ही फिल्म सुपरहिट हो गई है तो फिर अनीत हक़्क़ की तरफ क्यों अपना रुख मोड़ रही हैं? हिंदुस्तान टाइम्स से बात करते हुए सूत्रों ने बताया कि अनीत का ये प्रोजेक्ट फिल्म सैयारा साइन करने से पहले शूट हो चुका था।

जानकारी के मुताबिक न्याय एक युवा लड़की की कहानी होगी, जो एक ताकतवर धार्मिक नेता द्वारा यौन शोषण का शिकार होती है और उसके खिलाफ कोर्ट में ये लड़ाई लड़ती है। इस सीरीज में अनीत 17 साल की एक पीड़िता का रोल प्ले कर रही हैं, जो न सिर्फ समाज के दबाव से जूझती है, बल्कि कानूनी समस्याओं से भी लड़ती है। वहीं इस सीरीज में फातिमा सना शेख भी नजर आएंगी। जो एक पुलिस अधिकारी के रोल में होंगी। इसके अलावा अर्जुन माथुर एक वकील की भूमिका निभा रहे हैं।

न्याय का डायरेक्शन नित्या मेहरा और करण कपाडिया ने किया है। नित्या इससे पहले बार-बार देखो फिल्म का डायरेक्शन कर चुकी हैं। अनीत के फैंस अब उन्हें ओटीटी पर देखने के लिए एक्साइटेड हैं।

फिल्म सैयारा बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाए हुई है। इसकी कमाई लगातार बढ़ रही है और अब फिल्म ने एक नया रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने अपने 9वें दिन करीब 26 l5 करोड़ का नेट कलेक्शन किया है।

अजब-गजब | यहां शादियों जैसे आयोजनों में भी लोग बिना माइक के काम करते हैं

भारत का एकमात्र गांव जहां बोलना तक मना है!

जब आप किसी गाँव की कल्पना करते हैं, तो वहाँ की हलचल, बच्चों की हंसी, चक्की की आवाज़, या कहीं किसी लोहार का काम करते देखना ये सब आम बातें होती हैं। लेकिन कर्नाटक के बेलगाम जिले का एक गाँव अवर्खोड़ा इन सब से बिल्कुल अलग है। यहाँ पर अगर आपने ज़रा भी शोर मचाया, तो उसे एक गंभीर बात माना जाता है। यहाँ हर ओर सन्नाटा है। ऐसा सन्नाटा जो किसी डर से नहीं, बल्कि आस्था से जुड़ा हुआ है।

इस गाँव में एक बहुत ही अनोखा मंदिर है हनुमान जी का मंदिर। इसे उद्भव मूर्ति हनुमान मंदिर कहा जाता है। कहा जाता है कि करीब 500 साल पहले बुहा महाराज को कृष्णा नदी में स्नान करते समय ये मूर्ति मिली थी। उन्होंने इसे गाँव में लाकर स्थापित किया और यहीं पर जीवित समाधि भी ले ली। इस मंदिर की सबसे खास बात यह है कि यहाँ हनुमान जी दक्षिण दिशा की ओर बैठे हैं और वे कामधेनु कहे जाते हैं, यानी जो भी भक्त उनसे सच्चे मन से कुछ माँगता है, उसे वो मिल जाता है।

इस मंदिर और गाँव की सबसे अलग बात यह है कि यहाँ पर शांति बनाए रखना बहुत ज़रूरी है। क्योंकि मान्यता है कि ये हनुमान जी अपनी तपस्या में लीन हैं और उन्हें शोर-शराबा बिल्कुल पसंद नहीं। इसीलिए पूरे गाँव में माइक, साउंड बॉक्स, भाषण, या किसी भी तरह का तेज़ शोर करना मना है। शादियों और अंतिम संस्कार जैसे आयोजनों में भी

लोग बिना माइक के काम करते हैं।

इस नियम की वजह से गाँव में कोई चक्की, लोहार, बढ़ई, कुम्हार का काम नहीं होता। जो लोग ऐसे काम करते हैं, वो गाँव के बाहर जाकर करते हैं। यहाँ तक कि जिन लोगों ने पहले कभी मंदिर के नियमों का उल्लंघन किया या गलत काम किए, उनके साथ बुरा हुआ। लोगों का विश्वास है कि यह हनुमान जी की नाराज़गी का नतीजा था।

इस मंदिर की मूर्ति का कोई फोटो या वीडियो नहीं बनाया जा सकता। अगर किसी ने ऐसा किया, तो वो मुश्किल में पड़ सकता है। मान्यता है कि कैमरे का फ्लैश अगर हनुमान जी की आँखों पर पड़ जाए, तो वो नाराज़ हो सकते हैं और फोटो खींचने वाले को श्राप मिल सकता है। इसी वजह से लोग केवल मंदिर के बाहर की तस्वीरें लेते हैं, अंदर की नहीं। एक और चौंकाने वाली बात ये है कि जो कृष्णा नदी आमतौर पर पश्चिम की ओर बहती है, वह इस गाँव के पास आते ही दक्षिण की ओर बहने लगती है।

गाँववालों का मानना है कि ये भी हनुमान जी का ही चमत्कार है। यहाँ हर शनिवार को दूर-दूर से लाखों श्रद्धालु आते हैं। बेलगाम, बागलकोट, विजयपुरा से लेकर महाराष्ट्र के पुणे, मुंबई तक। गाँव के लोग मानते हैं कि आस्था के सामने इंसान को मौन रहना चाहिए। यहाँ के हनुमान भक्तों को वो सब कुछ देते हैं जो वे सच्चे मन से माँगते हैं। लेकिन बदले में वे सिर्फ शांति चाहते हैं। इसलिए गाँव के लोग भी पूरी श्रद्धा से इस नियम का पालन करते हैं और जीवन को शांति में जीते हैं। इस मंदिर का इतिहास 500 साल पुराना है और गाँववाले आज भी उसी आस्था में जी रहे हैं। बुहा महाराज की जीवित समाधि आज भी लोगों को प्रेरित करती है। ये सिर्फ कहानियाँ नहीं, गाँववालों के अनुभव और विश्वास से जुड़ी हुई सच्चाइयाँ हैं। वे मानते हैं कि जब भी किसी ने हनुमान जी के आदेशों की अनदेखी की, उसे भारी नुकसान उठाना पड़ा।

चीन की ये बाहुबली डॉक्टर है कमाल की, तीन साल में संभाले 600 शव

आज के दौर में महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी काबिलियत का लोहा मनवा रही हैं, लेकिन कुछ पेशे ऐसे हैं जहां आज भी उन्हें कमजोर समझा जाता है। ऐसा ही एक क्षेत्र है फॉरेंसिक पैथोलॉजी, जहां अक्सर भारी-भरकम शवों को संभालना पड़ता है। लेकिन चीन की एक युवा महिला फॉरेंसिक डॉक्टर ने न सिर्फ इस धारणा को तोड़ा है, बल्कि अपनी मस्कुलर बॉडी यानी बाहुबली अंदाज के चलते सोशल मीडिया पर भी छा गई हैं। ये महिलाओं को कमजोर समझने वालों की सोच को तोड़ रही हैं। हम बात कर रहे हैं यानयान की, जो चीन के दक्षिण-पश्चिमी चोंगकिंग नगर पालिका में एक फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी में अचानक या संदिग्ध मौतों की जांच करने वाली पहली महिला फॉरेंसिक पैथोलॉजिस्ट हैं। 26 वर्षीय यानयान ने चोंगकिंग मेडिकल यूनिवर्सिटी से फॉरेंसिक मेडिसिन में डिग्री हासिल करने के बाद पिछले तीन सालों में 600 से अधिक शवों को संभाला है। यानयान सिर्फ अपने काम में ही नहीं, बल्कि फिटनेस में भी माहिर हैं। सोशल मीडिया पर उनके 14,000 फॉलोअर्स हैं, जहां वह अपनी फिटनेस की तस्वीरें और वीडियो साझा करती रहती हैं। यानयान का कहना है कि वह 120 किलोग्राम डेडलिफ्ट कर सकती हैं, एक हाथ से चेनसॉ पकड़ सकती हैं और तीन मिनट में क्रैनियोटॉमी (खोपड़ी की सर्जरी) कर सकती हैं। वह बताती हैं कि वह बेहतर ढंग से काम करने के लिए ही वर्कआउट करती हैं। दरअसल, फॉरेंसिक पैथोलॉजिस्ट को अक्सर 150 किलोग्राम तक के भारी शवों के साथ काम करना पड़ता है। इसी वजह से इस क्षेत्र में महिलाओं के साथ अक्सर भेदभाव किया जाता है, क्योंकि उन्हें कमजोर माना जाता है। यानयान इसी पुरानी सोच को बदलने का काम कर रही हैं। जो लोग महिलाओं को बराबरी का दर्जा देते हैं, वे यह भी कहते हैं कि वे ऐसी नौकरी के लिए उपयुक्त नहीं हैं, जिसमें बहुत सारी नाइट शिफ्ट और व्यावसायिक यात्राएं शामिल होती हैं। कुछ संस्थान तो खुले तौर पर अपने पदों को केवल पुरुष आवेदकों तक ही सीमित रखते हैं। आपको बता दें कि फॉरेंसिक डॉक्टरों की जिंदगी में काफी भेदभाव का सामना करना पड़ता है, चाहे वो महिला हों या पुरुष। लोग उनके काम को खराब या यूं कहें कि अशुभ मानते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के कुछ फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स का कहना है कि लोगों ने उनका पेशा जानने के बाद उनसे हाथ मिलाने से भी इनकार कर दिया। लेकिन यानयान और उनके पति का परिवार उनके काम को पूरी तरह समझते और सपोर्ट करते हैं। उनके पति भी फिटनेस ट्रेनिंग के शौकीन हैं। यानयान का कहना है कि वह अपने सोशल मीडिया अकाउंट का इस्तेमाल अपने पेशे के बारे में सार्वजनिक धारणाओं को तोड़ने के लिए करती हैं। यानयान बताती हैं कि जब उन्हें अपना पहला शव मिला, तब भी वह शांत थीं। उनका कहना है कि उनके काम का मूल्य मृत लोगों को न्याय दिलाना और उनके परिवारों को शांति देना है।

डॉग बाबू के निवास प्रमाण पर बिहार में चढ़ा सियासी पारा

» नेता विपक्ष बोले- अंदाजा लगाया जा सकता है कि राज्य में कैसे हो रहा काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में एक कुत्ते के निवास प्रमाण पत्र बन जाने से वहां का सियासी पारा चढ़ गया है। एसआईआर पर जारी घमासान के बाद इस घटना ने आग में घी का काम किया है और विपक्ष को सरकार को घेरना का एक मौका मुहैया करा दिया है। नेता विपक्ष तेजस्व यादव ने पटना जिले के मसौढ़ी अंचल द्वारा डॉग बाबू के नाम से निवास प्रमाण पत्र जारी होने को लेकर सरकार को घेरा है। इस मामले के प्रकाश में आने के बाद विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि समझा जा सकता है कि प्रदेश में सरकार कैसे चल रही है।

बिहार में बिना घूस कुछ काम नहीं होता: तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कहा है कि इस प्रकरण से लोग अंदाजा लगा सकते हैं कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य कितना गहन हुआ है। उन्होंने भ्रष्टाचार को लेकर कहा कि यहां बिना पैसे के कोई कागज ही नहीं बनता है। डॉग बाबू ने भी कुछ दिया होगा। उन्होंने कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को घेरते हुए कहा कि बिहार में अपराधी विजय और सम्राट हो चुके हैं। लॉ एंड ऑर्डर का क्रिमिनल डिसऑर्डर हो चुका है। बिहार की स्थिति अच्छी नहीं है। मुख्यमंत्री अचेत अवस्था में हैं। एम्बुलेंस में सामूहिक दुष्कर्म हो रहे हैं, अस्पताल में, दुकान में घुसकर गोलियां मारी जा रही हैं। यहां डबल इंजन की सरकार में एक भ्रष्टाचार में और एक अपराध में लगा हुआ है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अचेत अवस्था में हैं!

सीएजी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश में 71 हजार करोड़ रुपये का घोटाला इस सरकार ने किया है। यह कोई मामूली बात नहीं है, यह बड़ी रकम है। इस राशि का कोई हिसाब नहीं दिया गया है। इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री और दोनों उप मुख्यमंत्री मौन हैं।

डिप्टी सीएम पर लगाया जन्म प्रमाणपत्र में धांधली का आरोप

विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर जन्म प्रमाण पत्र में धांधली करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2005 में ये 26 साल के थे और 2010 में ये 28 साल के हो गए। यही नहीं, वर्ष 2020 में ये 51 साल के हो गए। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जिंदगी में ऐसा इंसान नहीं देखा था जो अपनी उम्र बढ़ाता भी हो और घटाता भी हो। उप मुख्यमंत्री पर उन्होंने शैक्षणिक प्रमाणपत्र को लेकर भी सवाल उठाए और कहा कि ऐसा फर्जीवाड़ा करने वाले लोग हम ही लोगों को गाली देने का काम करते हैं। उप मुख्यमंत्री को बिहार की जनता से माफी मांगनी चाहिए।

नक्सलवाद के खिलाफ साझा अभियान शुरू करेंगे पांच राज्य

» झारखंड, बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में बनी सहमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता ने पूर्वी क्षेत्रीय पुलिस समन्वय समिति (ईआरपीसीसी) की बैठक में ऑनलाइन शिरकत करते हुए सीमावर्ती राज्यों के बीच मजबूत तालमेल पर जोर दिया। यह बैठक छत्तीसगढ़ की मेजबानी में आयोजित की गई, जिसमें बिहार, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए। झारखंड के शीर्ष अधिकारी भी बैठक में मौजूद रहे। बैठक में नक्सल समस्या, सीमावर्ती क्षेत्रों में हो रही ड्रग तस्करी, साइबर अपराध, मानव तस्करी और चिटफंड धोखाधड़ी और साइबर अपराध जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी समन्वय के आधार पर साझा अभियान चलाने पर सहमति बनी।

अनुराग गुप्ता ने सीमावर्ती इलाकों में कट्टरपंथी गतिविधियों और संदेहास्पद हरकतों की रीयल-टाइम जानकारी साझा करने की जरूरत बताई। उन्होंने जिलों की चेक पोस्ट पर नियमित रूप से औचक जांच करने की जरूरत पर जोर दिया ताकि नशे की सामग्री, डोडा, ब्राउन शुगर, अवैध शराब और अन्य प्रतिबंधित वस्तुओं की तस्करी रोकी जा सके। झारखंड पुलिस की ओर से बैठक में नक्सल प्रभावित सीमावर्ती क्षेत्रों, विशेषकर ओडिशा सीमा से लगे सरंडा क्षेत्र में चरणबद्ध और समयबद्ध अभियान चलाने का प्रस्ताव रखा गया। इस रणनीति में संयुक्त ऑपरेशन, खुफिया जानकारी साझा करना और माओवादियों के खिलाफ लक्ष्य आधारित कार्ययोजना शामिल है।

महिला चेस वर्ल्ड चैंपियन- 2025

दिव्या ने रचा इतिहास

» दिव्या देशमुख भारत की चौथी महिला और देश की 88वीं ग्रैंडमास्टर बनीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बातुमी जार्जिया। 19 साल की दिव्या देशमुख ने फिडे महिला चेस वर्ल्ड कप (एफआईडीई 2025) जीतकर इतिहास रच दिया है। वह पहली भारतीय महिला हैं जिन्होंने यह प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया है। फाइनल में उनका मुकाबला किसी और से नहीं, बल्कि भारत की टॉप खिलाड़ी कोनेरू हम्पी से था। बाकू में हुए ऑल-इंडियन फाइनल में दिव्या ने कोनेरू हम्पी को रैपिड टाई-ब्रेक में 1.5-0.5 से हराया। फाइनल से पहले शनिवार और रविवार को खेले गए गेम ड्रॉ रहे थे जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया। पहले गेम में दिव्या ने सफेद मोहरों से खेलते हुए मजबूत स्थिति बनाई, लेकिन हम्पी ने अंत में बराबरी कर ली। रविवार का दूसरा गेम संतुलित था। हालांकि दिव्या ने कहा कि वह बेवजह मुश्किल में पड़ गईं और फिर उन्होंने अपनी पकड़ बनाए रखी।

टाई-ब्रेक में दिव्या ने कमाल कर दिया। पहला रैपिड गेम ड्रॉ रहा, लेकिन दूसरे में हम्पी समय के दबाव में गलतियां कर बैठीं, जिनका दिव्या ने फायदा उठाया। उन्होंने जीत हासिल की और 2025 महिला विश्व कप चैंपियन बनीं। वह महिला ग्रैंडमास्टर का खिताब जीतने वालीं भारत की चौथी और देश की 88वीं ग्रैंडमास्टर बनीं। दिव्या देशमुख की जीत इसलिए और भी खास है क्योंकि उनके सामने मुश्किल चुनौती थी। टाई-ब्रेक में वह एक अंडरडॉग के रूप में उतरी थीं, जबकि कोनेरु हम्पी दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन और क्लासिकल शतरंज में विश्व नंबर 5 हैं। वहीं, दिव्या एफआईडीई महिला रैंकिंग में क्लासिकल में 18वें, रैपिड में 22वें और ब्लिट्ज में 18वें स्थान पर थीं। नागपुर की दिव्या की यह जीत उनकी शानदार उभरती प्रतिभा का सबूत है। पिछले साल उन्होंने विश्व जूनियर चैंपियनशिप जीती थी। 2024 में बुडापेस्ट में हुए शतरंज ओलंपियाड में उन्होंने भारत के स्वर्ण पदक जीतने में अहम भूमिका निभाई थी।

पीएम मोदी ने दी बधाई

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए खिलाड़ियों को उनके ऐतिहासिक प्रदर्शन पर बधाई दी। उन्होंने पोस्ट में लिखा, दो शानदार भारतीय शतरंज खिलाड़ियों का एक ऐतिहासिक फाइनल मुकाबला! युवा दिव्या देशमुख के एफआईडीई महिला विश्व शतरंज चैंपियन 2025 बनने पर गर्व है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए उन्हें बधाई। यह जीत कई युवाओं को प्रेरित करेगी।

बिहार कांग्रेस का हर घर अधिकार अभियान शुरू

» चुनाव प्रचार में कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार कांग्रेस ने हर घर अधिकार अभियान की शुरुआत की। इसकी शुरुआत प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारू और प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि कांग्रेस पार्टी की गारंटियों का गुलदस्ता कैंपेन लॉन्च हुआ, जिसमें मुख्य रूप से माई-बहन मान योजना के तहत प्रति माह 2500 रुपये, वृद्ध दिव्यांग पेंशन में प्रति माह 1500 रुपये, 200 यूनिट मुफ्त बिजली, 25 लाख तक का मुफ्त इलाज बीमा और भूमिहीन परिवारों को मकान के लिए पांच डिसमिल तक जमीन देने की योजनाएं प्रमुख हैं।

सभी फ्रंटल संगठनों ने मिलकर काम करने का किया ऐलान

उन्होंने कहा कि बिहार में लगातार हमने जनता और पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच जाकर उनकी समस्याओं पर चर्चा कर सभी मुद्दों को चुनावी कैंपेन में समाहित करने का काम करेंगे। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने अपने संबोधन में कहा कि चौपाल, माई-बहन मान योजना, हर घर झंडा अभियान पहले की तरह चलते रहेंगे। कांग्रेस पार्टी के सभी पूर्व अभियान जिसमें हर घर कांग्रेस का झंडा, माई-बहन मान योजना की सफलता शामिल है, उसके लिए सभी को शुभकामनाएं दी गईं। हर घर अभियान की शुरुआत से पूर्व बिहार कांग्रेस के विधायकों, विधान पार्षदों, विभाग, प्रकोष्ठ के नेताओं, कार्यकर्ताओं और सभी वरिष्ठ नेताओं के साथ वृहद बैठक भी संपन्न हुई। इस बैठक में सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपने विचार प्रकट किए जिसे चुनावी कैंपेन में समाहित करने की बात प्रदेश नेतृत्व ने की।

लाखों सरकारी नौकरियां देगी कांग्रेस

कांग्रेस का दावा है कि वह स्टार्टअप फंड, लाखों सरकारी नौकरियां, एमएसपी पर फसल खरीदी गारंटियों देगी। इसके लिए हर घर अभियान की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि रोजगार और चिकित्सा का अधिकार भी कांग्रेस पार्टी देगी। प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने कहा कि कांग्रेस ने जिस प्रकार से शिक्षा, भोजन और सूचना का अधिकार आम लोगों को देने का काम किया है, ठीक वैसे ही बिहार में रोजगार और स्वास्थ्य सुविधा का भी अधिकार देगी।

रेलवे का इंजीनियर घूस लेते गिरफ्तार

» सीबीआई ने शिकायत मिलने के बाद रंगे हाथों किया गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नासिक। सीबीआई ने रिश्वतखोरी मामले में बड़ा एक्शन लिया। केंद्रीय जांच एजेंसी ने मध्य रेलवे, नासिक के वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है। सीबीआई ने नासिक स्थित एक निजी कंपनी के मालिक की शिकायत के आधार पर मध्य रेलवे, नासिक के ट्रैक्शन मशीन वर्कशॉप के वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

आरोपी वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर ने क्रय आदेश के तहत लकड़ी के पैकिंग वेजेज की आपूर्ति से संबंधित गुणवत्ता जांच रिपोर्ट जारी करने के लिए 15,000 रुपए का अनुचित लाभ मांगा था। सीबीआई ने जाल बिछाया और आरोपी वरिष्ठ सेक्शन इंजीनियर को 15,000 रुपए की रिश्वत मांगते और लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। और उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

18 कांवड़ियों की मौत से दहला देश

» झारखंड के देवघर में बस और ट्रक की सीधी टकर से हुआ हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड के देवघर जिले के मोहनपुर प्रखंड अंतर्गत जमुनिया जंगल के पास आज सुबह कांवड़ियों से भरी बस और गैस सिलेंडर लदे ट्रक के बीच जोरदार टक्कर में 18 कांवडियों की मौत की खबर है। हादसे में 15 लोग घायल हुए हैं। इनमें से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है।

ट्रैफिक डीएसपी लक्ष्मण प्रसाद ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है क्योंकि कई घायलों की स्थिति नाजुक बनी हुई है। जिला प्रशासन को सतर्क कर दिया गया है और घायलों को देवघर सदर अस्पताल के अलावा नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराया गया है।

15
श्रद्धालु घायल जिनमें चार की हालत गंभीर

बस के उड़ गये परखच्चे

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा इतना भयावह था कि बस के परखच्चे उड़ गए। टक्कर के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। कई श्रद्धालु बस के अंदर ही फंसे रह गए, जिन्हें निकालने के लिए पुलिस और एनडीआरएफ की टीम को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, एनडीआरएफ और जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई और राहत व बचाव कार्य शुरू कर दिया।

पहली बार नहीं गयी है जान

- यह पहली बार नहीं है जब कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की जान गई हो।
- 2022 में हरिद्वार-मेरठ हाईवे पर ट्रक ने 6 कांवड़ियों को कुचल दिया था।
- 2023 में बिहार के बाढ़ जिले में एक ट्रैक्टर पलटने से 9 कांवड़ियों की जान चली गई थी।
- 2024 में गाजियाबाद में हाईवोल्टेज डीजे के पास शॉर्ट सर्किट से 3 की जान चली गई थी।

बाबा बैद्यनाथ धाम जा रहे थे श्रद्धालु

बस में लगभग 35 श्रद्धालु सवार थे, जो श्रावणी मेला के दौरान बाबा बैद्यनाथ धाम में जलार्पण करने के उद्देश्य से देवघर आ रहे थे। इसी दौरान जमुनिया के पास सामने से आ रहे गैस सिलेंडर लदे ट्रक से उनकी बस की सीधी टक्कर हो गई। कई श्रद्धालुओं को मामूली चोटें भी आई हैं, जबकि कुछ लोग पूरी तरह सुरक्षित भी बताए जा रहे हैं। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। इस हृदयविदारक हादसे ने पूरे इलाके में शोक की लहर फैला दी है। जिला प्रशासन के आला अधिकारी भी घटना की सूचना पाकर अस्पताल पहुंचे हैं।

पुलिस अधिकारी ने बताया है कि कांवड़ियों को ले जा रही बस गैस सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक से टकरा गई।

गैस सिलेंडर से भरा था ट्रक

ये हादसा तड़के करीब 4.30 बजे मोहनपुर थाना क्षेत्र के जमुनिया जंगल के पास हुआ है। कांवड़ियों से भरी 32 सीट वाली बस और गैस सिलेंडर ले जा रहे एक ट्रक के बीच टक्कर हो गई।

हिमाचल में बादल फटने से दो लोगों की मौत

» पिछले दो दिनों से हो रही है लगातार बारिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में एक बार फिर बादल फटने से तबाही मची है। बादल फटने के कारण फ्लैश फ्लड की घटना में मंगलवार को दो लोगों की जान चली गई। बता दें कि पिछले दो दिन से हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। मंडी में भी भारी बारिश के कारण नदी-नाले उफान पर हैं। इसी बीच फ्लैश फ्लड की घटना हुई। फिलहाल जिला प्रशासन की टीमें मौके पर मौजूद हैं। राहत एवं बचाव कार्य जारी है।

जानकारी के मुताबिक, मंडी के जेल रोड इलाके में अपनी गाड़ियों को निकालने के लिए कुछ लोग नाले के पास पहुंचे थे। इसी दौरान वे फ्लैश फ्लड की चपेट में आ गए। दो लोगों के शवों को निकाला जा चुका है, जबकि एक व्यक्ति का शव गाड़ियों के बीच फंसे होने की संभावना है।

दरिया जैसा बह रहा है मलबा

इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि सड़कों पर पानी और मलबा दरिया की तरह बह रहा है। मंडी में मूसलधार बारिश के चलते कई हिस्सों में बाढ़ जैसे हालात हैं। जेल रोड इलाके में पहाड़ों से पानी के साथ गाद और कीचड़ जैसा मलबा नीचे आया, जिसमें दर्जनों गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गईं। मूसलाधार बारिश सोमवार रात करीब 11 बजे शुरू हुई और सुबह 4 बजे तक तेज हो गई, जिससे बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा। बताया जाता है कि सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में से एक मंडी का जोनल अस्पताल है, जहां नाले ओवरफ्लो होने के कारण परिसर में पानी भर गया।

सीएम हेमंत सोरेन ने जताया शोक घायलों के इलाज का दिया भरोसा

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इस घटना को अत्यंत दुखद बताया और एक्स पोस्ट कर हादसे में जान गंवाने वाले श्रद्धालुओं के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, आज सुबह देवघर के मोहनपुर प्रखंड के जमुनिया चौक के पास बस दुर्घटना में बस सवार श्रद्धालुओं की मृत्यु की अत्यंत दुःखद सूचना मिली है। जिला प्रशासन द्वारा राहत और बचाव कार्य के साथ घायलों को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। बाबा बैद्यनाथ दुर्घटना में मरने वाले श्रद्धालुओं की आत्मा को शांति प्रदान कर शोकाकुल परिवारजनों को दुःख की घड़ी सहन करने की शक्ति दे।

नीतीश कुमार वैशाली में आज करेंगे बुद्ध स्मृति स्तूप का उद्घाटन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वैशाली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंगलवार को वैशाली में बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मारक स्तूप का उद्घाटन करेंगे। यह ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व का स्थल है। 72 एकड़ में फैले इस स्मारक का निर्माण 550 करोड़ रुपए की लागत से हुआ है।

उद्घाटन समारोह में चीन, जापान, श्रीलंका, थाईलैंड, नेपाल, तिब्बत, म्यांमार, मलेशिया, भूटान, वियतनाम, कंबोडिया, मंगोलिया, लाओस, बांग्लादेश और इंडोनेशिया सहित 15 देशों के बौद्ध भिक्षु और अनुयायी शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उद्घाटन की घोषणा करते हुए लिखा था, मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि वैशाली में बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मारक स्तूप का उद्घाटन 29 जुलाई 2025 को होगा। इस समारोह में 15 देशों से बौद्ध अनुयायी और भिक्षु बिहार आ रहे हैं। यह हम सभी बिहारवासियों के लिए गर्व का क्षण होगा।

राजस्थान के गुलाबी पत्थरों से निर्मित यह स्तूप पर्यावरण के अनुकूल डिजाइन के साथ बनाया गया है। इसकी पहली मंजिल पर भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष रखे गए हैं। ये अवशेष छह ऐतिहासिक स्थलों से एकत्र किए गए हैं, जिनमें वैशाली का मिट्टी का स्तूप शामिल है। यह अवशेष छह ऐतिहासिक स्थलों से एकत्र किए गए हैं। इनमें वैशाली के मड स्तूप से मिले अवशेष भी शामिल हैं, जिन्हें चीनी यात्री ह्वेनसांग के अनुसार सबसे प्रामाणिक माना जाता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने इस परियोजना पर व्यक्तिगत रूप से नजर रखी। उन्होंने कहा, मैंने निर्माण कार्य की लगातार निगरानी की ताकि यह भव्य और जल्द से जल्द पूरा हो। उन्होंने वैशाली की ऐतिहासिक और पौराणिक महत्ता को लेकर कहा, वैशाली ने दुनिया को पहला गणतंत्र दिया। यह नारी सशक्तिकरण की भी भूमि रही है, जहां पहली बार बौद्ध संघ में महिलाओं को शामिल किया गया।

बिहार का सांस्कृतिक गौरव आध्यामिक विरासत का प्रतीक

नीतीश कुमार ने इस स्मारक को बिहार की सांस्कृतिक गौरव और आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह वैशाली को वैश्विक बौद्ध नक्शे पर प्रमुखता देगा और पर्यटन, संस्कृति व रोजगार को बढ़ावा देगा। यह स्मारक न केवल बौद्ध अनुयायियों के लिए आध्यात्मिक केंद्र बनेगा, बल्कि बिहार के पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। इस उद्घाटन से बिहार की वैश्विक पहचान मजबूत होगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। बौद्ध सर्किट के हिस्से के रूप में वैशाली अब और अधिक पर्यटकों को आकर्षित करेगा, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।

वानखेड़े स्टेडियम में आईपीएल ड्रेस की चोरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुंबई के वानखेडे स्टेडियम के सेकंड फ्लोर पर स्थित स्टोर से सिक्योरिटी गार्ड ने 6.52 लाख की लगभग 261 जर्सी चुराई।

पुलिस की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक वानखेड़े स्टेडियम की दूसरी मंजिल पर स्थित बीसीसीआई के आधिकारिक मर्चेंडाइज स्टोर से 6.52 लाख रुपये मूल्य की 261 आधिकारिक आईपीएल खिलाड़ियों की जर्सी चोरी करने के आरोप में एक सिक्योरिटी गार्ड के खिलाफ मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, माहिम के रहनेवाले बीसीसीआई कर्मचारी हेमंग भारत कुमार अमीन (44) ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में सिक्योरिटी गार्ड फारुख असलम खान को गिरफ्तार कर लिया है, ऐसा बताया जा रहा है कि उसे जुए की भी की लत थी, और उसी में उसने पैसे गंवा दिए थे।

वियतनाम में डेंगू बुखार बेकाबू

» राजधानी हनोई और हो ची मिन्ह सिटी की हालत खराब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वियतनाम के दो प्रमुख शहरों राजधानी हनोई और हो ची मिन्ह सिटी में डेंगू बुखार के मामलों में बीते सप्ताह के दौरान तेजी से वृद्धि दर्ज हुई है। हनोई में पिछले सप्ताह 72 नए डेंगू संक्रमण के मामले सामने आए, जो कि पिछले सप्ताह के मुकाबले दोगुना हैं। इसके साथ ही वर्ष 2025 की शुरुआत से अब तक कुल 475 मामले और 15 संक्रमण क्लस्टर सामने आ चुके हैं। ये आंकड़े शहर के रोग नियंत्रण केंद्र द्वारा जारी किए गए हैं।

दक्षिण वियतनाम के हो ची मिन्ह सिटी में जुलाई के मध्य तक 15,500 से अधिक डेंगू मामलों और 10 मौतों की पुष्टि हो चुकी है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 157 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की है कि वे मच्छरों को पनपने न दें और बारिश के मौसम को देखते हुए सतर्कता बरतें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, डेंगू (जिसे ब्रेक-बोन फीवर भी कहा जाता है) एक वायरल संक्रमण है, जो मच्छरों के माध्यम से फैलता है।

कोई लक्षण नहीं दिख रहे

अधिकांश डेंगू संक्रमित लोगों में कोई लक्षण नहीं दिखते, लेकिन जिनमें लक्षण होते हैं, उनमें तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द, मतली और चकते शामिल हैं। अधिकांश लोग 1से2 सप्ताह में ठीक हो जाते हैं, लेकिन कुछ मामलों में यह बीमारी गंभीर रूप ले सकती है, जिसमें अस्पताल में इलाज की आवश्यकता होती है।

मच्छरों से बचाव ही है तरीका

डेंगू से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है मच्छरों से बचाव, विशेषकर दिन के समय। फिलहाल डेंगू का कोई विशेष इलाज नहीं है और इसका उपचार केवल दर्द निवारक दवाओं से किया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, वर्ष 2000 में जहां 5 लाख 5 हजार से अधिक मामले दर्ज हुए थे, वहीं 2019 में यह संख्या बढ़कर 52 लाख तक पहुंच गई। इनमें से अधिकतर मामले मामूली या बिना लक्षण वाले होते हैं, इसलिए वास्तविक मामलों की संख्या रिपोर्ट की गई संख्या से कहीं अधिक हो सकती है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।